ज्ञान शांति मैत्री

**महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा**

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

**जनसंपर्क कार्यालय**

**PUBLIC RELATIONS OFFICE**

आज़ादी का अमृत महोत्सव

## अखिल भारतीय शिक्षा समागम के तहत हिंदी विश्वविद्यालय में कला योग उत्सव का हुआ आयोजन

**वर्धा, 07 अगस्त, 2026 :** महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के छह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 के तहत कला योग उत्सव का आयोजन गुरुवार, 06 अगस्त को ग़ालिब सभागार में

किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ाना व योग के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि व कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्रदर्शनकारी कला विभाग के अध्यक्ष डॉ. ओम प्रकाश भारती ने किया। कार्यक्रम का प्रारंभ सहायक प्रोफेसर डॉ. तेजश्वी एच.आर. और उनकी टीम ने मृदुल हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत से हुआ। इस अवसर पर दस रागों भैरव से भैरवी तक की प्रस्तुति दी तो पूरा वातावरण एक अलौकिक शक्ति और ऊर्जा से भर गया, जिसमें उन्होंने जागो मोहन प्यारे, इतनी शक्ति हमें दे न दाता जैसे गीत गाये। उनके साथ तबले पर जीवन बांगडे ने तथा गायन में विद्यार्थी विजय महेश गौरी, प्रांजलि गायकवाड, रिद्धि लेकुरवाळे ने सहयोग किया।

प्रदर्शनकारी कला विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. विधु खरे दास के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा 'योग प्रवाह' विषय पर लघु नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक का लेखन एवं निर्देशन प्रदर्शनकारी कला विभाग के शोधार्थी उत्कर्ष उपेन्द्र सहस्त्रबुद्धे ने किया। नाटक के सूत्रधार मनीष कुमार थे। नाटक में जनार्दन दीक्षित ने आदियोगी शिव का, अंकिता कुशवाहा ने माता पार्वती का, कार्तिक बनवारी ने ऋषि पतंजलि का एवं विशाल परिहार, रमज़ान, अमित कुमार पटेल, रवि राज ने ऋषि एवं शिष्य के किरदार में भगवान शिव और पार्वती के वार्तालाप से योग की महत्ता को दर्शाया।

योग नृत्य की प्रस्तुति में विद्यार्थियों ने योग के विभिन्न आसन-मुद्राओं को प्रस्तुत किया। नृत्य में कपिल बहादुरे, संघमित्रा पंत, संगम कुमारी, सलोनी स्वाती कुमारी, शिया, षडानन दुआन, उमाकांत जेना ने सहभागिता की।

कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि कला खाली आकाश के लिए प्रकाश में जमीन तैयार करती है, ताकि रोशनियां नए सत्य को जन्म दे सके। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की। इस अवसर पर अधिष्ठाता, अध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

**पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत**

**ई-मेल/E-mail:** pro.mgahv@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website:** www.hindivishwa.org

**दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305**

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

## अखिल भारतीय शिक्षण समागमांतर्गत हिंदी विश्वविद्यालयात कला-योग उत्सवाचे आयोजन

**वर्धा, ७ ऑगस्ट २०२६ :** महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात राष्ट्रीय शिक्षण धोरण २०२० ला सहा वर्षे पूर्ण झाल्याच्या निमित्ताने अखिल भारतीय शिक्षण समागम २०२६ अंतर्गत गुरुवार, ६ ऑगस्ट रोजी गालिब सभागृहात कला-योग उत्सवाचे आयोजन करण्यात आले. भारतीय ज्ञानपरंपरेचा प्रसार करणे व विद्यार्थ्यांमध्ये योगाविषयी जनजागृती निर्माण करणे हा या कार्यक्रमाचा प्रमुख उद्देश होता.

कार्यक्रमाचे उद्घाटन कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा यांच्या हस्ते दीपप्रज्ज्वलन करून झाले. कार्यक्रमाचे संचालन प्रदर्शनकारी कला विभागाचे अध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश भारती यांनी केले. कार्यक्रमाची सुरुवात सहायक प्रोफेसर डॉ. तेजश्वी एच.आर. आणि त्यांच्या चमूने हिंदुस्थानी शास्त्रीय संगीताच्या सुमधुर सादरीकरणाने केली. भैरव ते भैरवी या दहा रागांची प्रस्तुती करत त्यांनी संपूर्ण सभागृह अलौकिक ऊर्जा आणि आध्यात्मिक वातावरणाने भारावून टाकले. जागो मोहन प्यारे आणि इतनी शक्ति हमें दे न दाता यांसारखी गीतेही त्यांनी सादर केली. त्यांना तबल्यावर जीवन बांगडे यांनी साथ दिली, तर गायनात विद्यार्थी विजय महेश गौरी, प्रांजली गायकवाड आणि रिद्धी लेकुरवाळे यांनी सहभाग केला.

प्रदर्शनकारी कला विभागाच्या सहायक प्रोफेसर डॉ. विधु खरे दास यांच्या मार्गदर्शनाखाली विद्यार्थ्यांनी 'योग प्रवाह' या विषयावरील लघुनाटिका सादर केली. या नाटकाचे लेखन व दिग्दर्शन विभागातील शोधार्थी उत्कर्ष उपेंद्र सहस्त्रबुद्धे यांनी केले, तर मनीष कुमार यांनी सूत्रधाराची भूमिका साकारली. जनार्दन दीक्षित याने आदियोगी भगवान शिव, अंकिता कुशवाहा हिने माता पार्वती, कार्तिक बनवारी यांनी महर्षी पतंजली यांच्या भूमिका साकारल्या. तसेच विशाल परिहार, रमजान, अमित कुमार पटेल आणि रविराज यांनी ऋषी व शिष्यांच्या भूमिका साकारत भगवान शिव आणि पार्वती यांच्या संवादातून योगाचे महत्त्व प्रभावीपणे उलगडून दाखविले.

योगनृत्याच्या सादरीकरणात विद्यार्थ्यांनी योगातील विविध आसने आणि मुद्रांचे आकर्षक सादरीकरण केले. या नृत्यात कपिल बहादुरे, संघमित्रा पंत, संगम कुमारी, सलोनी स्वाती कुमारी, शिया, षडानन दुआन, उमाकांत जेना यांनी सहभाग घेतला.

यावेळी कुलगुरू प्रो. कुमुद शर्मा यांनी मनोगत व्यक्त करताना म्हणाल्या की कला अमर्याद आकाशाला प्रकाशासाठी भूमी तयार करून देते, ज्यातून नव्या सत्याचा जन्म होतो. त्यांनी विद्यार्थ्यांच्या सर्व कलात्मक सादरीकरणांचे मनापासून कौतुक केले. या कार्यक्रमास विश्विवद्यालयातील अधिष्ठाता, प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी मोठे संख्येने उपस्थित होते.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305